[Shri Santosh Mitra]

8 Common cadre for +2 and+3 teachers.

9. Abolition of discrimination between teachers of State and Central universities and colleges affiliated to these with respect to all perquisites.

10. Age of superannuation not below 60 years.

Sir, today a call for token strike has been given to draw the attention of the Government and if any heavy dislocation in the field of higher education takes place, the Government will be responsible for it. I urge upon the Government to meet the Teachers' Organisation and to hear them in order to find out a happy solution with a view to avoiding any future disaster in the field of higher education.

REFERENCE TO THE ALLEGED THREAT TO THE LIFE OF SHRI JAGJIT SINGH ANAND, A FORMER MEMBER OF THE RAJYA SABHA, FROM DAL KHALSA—Contd

श्री योगेन्द्र शर्मा (बिहार) : मान्यवर, मैं जिस सवाल का उल्लेख करना चाहता हूं उस सवाल की ओर आपका और आपके माध्यम से गृह मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। वह सवाल यह है कि एक व्यक्ति को एक पत्र लिखा गया जिसमें उनको मार डालने की धमकी दी गई है, जिससे यह सवाल पैदा होता है। लेकिन साथ ही साथ यह सवाल एक राष्ट्रीय सवाल भी है। हम सब कोई जानते हैं कि पंजाब में विघटनकारी और पृथकतावादी शक्तियों ने साम्प्रदायवाद का इस्तेमाल कर के हत्याकांडों का सिलसिला मचा रखा है। इससे तमाम देश चिंतित है। देश में राष्ट्रीय एकता और धर्म निरपेक्षता को कायम रखने वाले तमाम लो इससे चिंतित है। अभी अभी कुछ दिन पहले प्रधान मंत्री ने तमाम विरोधी दलों की एक मीटिंग बुलाई थी और इस समस्या पर तमाम दलों के सदस्यों ने अपनी चिंता प्रकट की और इसकी निंदा की। उसी का एक नमूना हमारे सामने है जिसके जरिये से हम गृह मंत्री जी का ध्यान खींचना चाहते हैं। यह पत्र लिखा गया है, यह पंजाबी में है। मैं उसका अंग्रेजी ट्रांसलेशन पढ़ कर ...

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक जकरिया) : सिर्फ जिस्ट बता दीजिये।

श्री योगेन्द्र शर्मा : बहुत छोटा सा पत्र है। बहुत साफ-साफ है। इसमें टीका टिप्पणी की जरूरत नहीं है। उसका अंग्रेजी ट्रान्सलेशन मैं पढ़ कर सुना देता हूं। सब से ऊपर में एक ओंकार लिखा हुआ है। (**व्यवधान**)

Shri Jagjit Singh Anand Editor 'Nawa Zamana'.

वे हमारे भूतपूर्व सदस्य रहे हैं और अभी एक पंजाबी डेली के सम्पादक हैं।

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक जकरिया): सबके जाने पहचाने है।

श्री योगेन्द्र शर्मा : सब के जाने पहचाने हैं। असल बात तो यह है कि उनकी आवाज हम मिस कर रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक जकरिया) मैं आपसे सहमत हूं।

SHRI YOGENDRA SHARMA: "Shri Jagjit Singh Anand, Sat Sri Akal. We ask you one thing. You being a Sikh, why have you directed your pen against Khalistan and Bhindranwale."

उनका कसूर है कि वे देश की राष्ट्रीय एकता की रक्षा, धर्म निरपेक्षता की रक्षा के लिए अपनी कलम चलाते हैं और इसीलिए उनको यह चिट्ठी लिखी गई है, धमकी दी गई है कि तुम अपनी कलम चलाना बन्द करो, नहीं तो तुमको हम मार डालेंगे।

"...Don't you know that Lala Jagat Narain used to write against Khalistan. You know what this resulted in, you need not be told."

मतलब साफ है, लाला जगत नारायण ने खालिस्तान के खिलाफ लिखा था, उनको अपनी जान गंवानी पड़ी। हम नहीं समझते हैं कि वह दुर्दिन आएगा कि हमारे दोस्त जगजीत सिंह आनन्द को भी जान गंवानी पड़े; क्योंकि देश में राष्ट्रीय एकता और धर्म-निरपेक्षता के समर्थकों की शक्ति अपार, अपरम्पार है। यह शक्तियां जागेंगी तो इस तरह के काले कारनामे करने वालों को कोई जगह नहीं मिलेगी।

"Do you also want to quit this world?'

जुर्रत देखिये, मान्यवर, देश की रक्षा करने वालों को इस दुनिया से विदा करना चाह रहे हैं।

"We give you final warning, that you being a Sikh, become a supporter of Khalistan....'

आखिरी चेतावनी :

"Support everything of the Sikhs. Otherwise you will have to become the target of bullets."

यदि कोई खालिस्तान का सपोर्टर नहीं होगा तो उसको मार डाला जाएगा।

"Till today we have never failed in any of our plans, the plans may be murdering anyone. You should learn a lesson from the present events so that we do not have to plan further murder. As for the issue of Nirankaris. the murders of Nirankaris will continue as heretofore because their ideology does not recognise Guru Granth Sahib as Guru . . ."

हमारे देश में हर एक को अपने-अपने धर्म और अपने-अपने विचारों को प्रचार करने का, रखने का अधिकार है, लेकिन यहां पर निरकारी लोगों को कहा जा रहा है कि तुमको हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। तो हमारे देश में, हमारे संविधान में जो अधिकार यहां पर नागरिकों को मिले हुए हैं, उन अधिकारों का यदि कोई प्रयोग करता है तो उनको मारने की धमकियां दी जाती हैं और उनमें से बहुत से लोगों को मारा भी है।

"If you continue to write against Khalistan or Bhindranwale, you will be made the target of bullets. Now you have only a few days to live. Your well-wishers, J. Dal Khalsa, (Khalistan Lehar) Punjab."

This is the English translation.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): It is an annonymous letter?

श्री योगेन्द्र शर्मा : यह तो लिखा हुआ है, हमने पढ़कर सुना दिया है।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): It is not signed.

श्री योगेन्द्र शर्मा : यह लेटर है। मान्यवर, यह पंजाबी में लेटर है और इसमें साईन है।

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक ज़करिया) : किसने लिखा है उसकी आइडेंटिटी नहीं है, मैं यह जानना चाहता था।

श्री योगेन्द्र शर्मा : इसलिये तो उल्लेख किया है। हम मेंशन कर रहे हैं गृह मंत्री जी से कि किसने पत्र लिखा, इसकी छानबीन करायें और छानबीन करके उसको पकड़े तथा उचित सजा दें। दूसरा, हम जो दरख्वास्त करना चाहते हैं, वह यह है कि हर कीमत पर हमारे कामरेड जगजीत सिंह आनन्द और पंजाब के वह तमाम कम्यूनिस्ट जो कि खालिस्तान के खिलाफ आवाज उठा रहे है, साम्प्रदायिकता के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक जकरिया) : कम्यूनिस्ट हों क्यों ?

श्री योगेन्द्र शर्मा : सभी हों, कम्यूनिस्ट हों, आप हों, आपके दल के लोग भी हों, इनके दल के लोग भी हों . . .

श्रीमती अमरजीत कौर : खालिस्तान के तो हम भी खिलाफ हैं। कम्यूनिस्ट ही नहीं सभी दलों के लोग खिलाफ है . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): Mr. Sharma, please do not give it a party colour.

श्री योगेन्द्र शर्मा : हम यह कह रहे थे कि कम्यूनिस्ट पार्टी, कांग्रेस पार्टी या जो भी भारतीय है जिनको देश प्यारा है, देश की एकता प्यारी है, धर्म-निरपेक्षता प्यारी है, उन सबों को एक हो करके इस खतरे का मुकाबला करना चाहिए। **(व्यवधान)**

SHRI G. C. BHATTACHARYA (Uttar Pradesh): We all condemn.. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): I will give everybody a chance. Yes, Shri Sat Paul Mittal, please be very brief.

श्री सतपाल मित्तल (पंजाब) : उपसभाध्यक्ष जी, शर्मा जी ने जो सारे सदन के सामने बातें रखी हैं, मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। श्री जगजीत सिंह आनन्द को कौन इस देश में नहीं जानता और खास तौर से दिल्ली तथा पंजाब में कौन उन्हें भूला हुआ है। वे हमारे इस हाऊस के मेम्बर भी रहे हैं। पंजाब में वे बड़ी मजबूती के साथ चाहे उनके विचार कुछ भी हों, सेक्यूलरिज्म का झंडा उठाये हुए हैं। वे अपनी कलम से और जबान से इसकी पूरी पूरी हिमायत करते हैं। ऐसी शक्तियों की जो सेक्यूलरिज्म का प्रचार करती हैं, उनकी हिमायत करते हैं। उनको जो पत्र लिखा गया है उससे सबको चिंता है। उन्हीं के लिये चिंता की बात नहीं है। कुछ को पत्र लिखा गया है, कुछ को टेलीफोन काल्स दिये गये हैं और उनसे कहा गया है कि अपना रास्ता बदलो नहीं तो आपका वही हश्र होगा जो लाला जगत नारायण का हुआ था, जो निरकारी बाबा का हुआ था, जो दूसरे लोगों का हुआ था। ये मुट्ठी भर लोग हैं जिनको किसी भी सेक्शन में सपोर्ट नहीं है, सिक्खों में भी इनको कोई सपोर्ट नहीं है। बहुत बड़ी तादाद में जो सिक्ख हैं, चाहे पंजाब में रहने वाले हों, या देश के अन्य कोने कोने में रहने वाले हों, वे देशभक्त हैं। हमारी सारी फौज, हमारी सारी पुलिस बहादुर सिक्खों से भरी हुई है। वे देश की रक्षा करते हैं और जब देश के सामने कोई ताकत लड़ाई या और मुकाबले के लिये आती है तो वे उनके खिलाफ भी लड़ते हैं। इसलिये मैं कहना चाहता हूं कि ये मुट्ठी भर लोग जिनको पंजाब सरकार आइडेंटीफाई कर चुकी है और कई लोग जो सरकार के नोटिस में आ चुके हैं, और कुछ लोग जो बाहर घूम रहे हैं उनसे सख्ती के साथ निपटना चाहिए तथा उनको पकड़ना चाहिए। पकड़ कर वाकई उनको सजा देनी चाहिये। अगर सजा नही दी जायेगी तो यह माना जायेगा कि सरकार जो है वह कुछ ढीली नीति से चल रही है। इसलिये मैं कहना चाहता हूं कि हिन्द सरकार और पंजाब की सरकार मजबूती के साथ ऐसे तत्वों को, ऐसे अनासिरों को पकड़े, जल्दी से जल्दी पकड़े और इससे पहले कि लाला जगत नारायण की तरह के और लोगों का भी सिर लुढ़के, जो अपनी कलम और अपनी जबान से सेक्यूलरिज्म को बचाने के लिये फिरकावाराना माहौल के खिलाफ एक पब्लिक ओपीनियन पैदा करने वाले है, इन लोगों

को गिरफ्तार करना चाहिए और सख्त से सख्त कदम उठाने चाहिएं। मैं इसका पूरा समर्थन करता हूं इसमें न कम्युनिस्ट की बात है, न कांग्रेस की बात है, यह सारे देश की बात है। सारे देश की पोलिटिकल पार्टीज की बात है ? जब प्रधान मंत्री जी ने मीटिंग बुलायी थी तो उसमें सारी पोलिटिकल पार्टीज ने अपना पूरा-पूरा समर्थन दिया, सपोर्ट दिया। जब पंजाब के मुख्य मंत्री ने मीटिंग बुलायी तो उसमें भी सारी पार्टियों ने सपोर्ट दिया। इसलिये जब सारे देश में सब पार्टियां आपके साथ हैं, सरकार के साथ हैं इस मामले में तो आपको मजबूती के साथ इनको गिरफ्तार करना चाहिए और पकडना चाहिए।

3 P.M.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: Mr. Vice-Chairman, I associate myself with whatever has been said by my friend, Mr. Sharma and my friend Mr. Mittal. Sir, what worries us is that till today the murderers of Lala Jagat Narain and Nirankari Baba have not been arrested, and this is one factor which is encouraging these Khalistan movement-walas to give all sorts of threats and indulge in all kinds of violence Mr. Makwana should here and now assure the House that action will be taken or rather effective action will be taken within a particular time and he will get them arrested; otherwise, whatever we say, neither Mr. Jagjit Singh Anand will be safe nor my friend Mr. Sharma will be safe nor will anybody else be safe. The crux of the matter is that the culprits in the murders of Lala Jagat Narain and the Nirankari Baba should be arrested at any cost.

With these words, I condemn the threat given to Mr. Anand.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : इसमें कोई सदेह नहीं है कि जिस पत्र का उल्लेख हमारे साथी ने किया है, वह धमकी एक ऐसे हमारे साथी को दी गई है जो इस सदन के सदस्य थे। लेकिन यह केवल एक जो संकट है, उसका इशारा है। आज आनन्द जी के पास पत्र आया है, कल दो हत्याएं हुई थीं, कल तीसरी कोई हत्या हो सकती है और उसमें भी कोई सन्देह नहीं है कि सारा देश खालिस्तान की मांग के विरोध में है। लेकिन फिर भी दो बातें चिन्तनीय हैं।

यदि सारा देश खिलाफ है, सारी पोलिटिकल पार्टीज, खिलाफ हैं, सारा पंजाब खिलाफ है, तो आखिरकार खालिस्तान वालों को बल कहां से मिल रहा है? यह खोजना पड़ेगा। सब लोग विरोध में हैं, लेकिन फिर भी कुछ लोग इतने उतारु हैं कि हत्या करते हैं और दिन-दहाड़े करते हैं, और फिर चैलेंज देते हैं।

तो आखिरकार यह ताकत है कहां से ? दूसरा सवाल है कि अगर ताकत है... (**व्यवधान**) ताकत अगर है थोड़ी बहुत भी, तो आखिरकार इतनी बड़ी सरकार है केन्द्र की, इतनी बड़ी सरकार है पंजाब की, वह क्यों नहीं पकड़े जाते हैं ?

अभी उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने एक कदम उठाया कि अगर देवली के लोग पकड़ नहीं गये, तो मैं रिजाइन कर दूंगा और खुशी की बात है कि देवली के लोग पकड़े जा रहे हैं। तो आखिरकार, अगर इतना इरादा मुख्य मंत्री के इजहार करने से पूरा हो सकता है, तो हमारे केन्द्र के गृह मंत्री, हमारे पंजाब के मुख्य मंत्री यह बात क्यों नहीं कर सके ?

इसलिये संदेह होता है कि अंदरखाने कहीं पर घपला है। अब कहां पर घपला है, मैं कहना नही चाहता और कहने की आवश्यकता भी नही है। वह घपला दूर

[श्री जगदीश प्रसाद माथुर]

होना चाहिए। या तो कहीं न कहीं हमारे डिपार्टमेंट में साम्प्रदायिकता है, साम्प्रदायिकता का भाव कहीं छिपा बैठा है। उसके कारण से नहीं होता, अथवा कहीं दुर्बलता है। वह दुर्बलता कहां, है, मैं कुछ नहीं कहता। केन्द्र के मंत्री और वहां के मुख्य मंत्री सोचें और अपने दिल की दुर्बलता निकाल कर के कड़ाई से काम लें। इतना ही मेरा कहना है।

श्री सदाशिव बागाईतकार (महाराष्ट्र) : श्रीमान्, यह बहुत ही चिंता की बात है कि इस सदन के एक भूतपूर्व सदस्य, ख्यातमान ट्रेड यूनियनिस्ट कामरेड आनन्द के साथ इस तरह का व्यवहार होने की आशंका है जिससे हम सब लोगों को चिंता हो रही है।

मैं यह चाहूंगा कि इसकी जड़ में जो चीजें हैं, उसके बारे में सरकारी मंत्रियों के बयान—बहुत अफसोस कहना बेकार है—मैं कहता हूं कि उससे ज्यादा चिंता होती है। मैं मकवाणा साहब को सिर्फ इतिहास की याद दिला दूं कि 1940 में जब लाहौर में पाकिस्तान का रेजोल्यूशन हुआ था, तब किसी को यह नहीं लग रहा था कि यह कोई सीरियस रेजोल्यूशन है, जिसके बारे में सीरियसली सोचना चाहिये। लेकिन छह साल के अंदर फिज़ा बन गई जिससे देश का बंटवारा हो गया। आप सभी लोग कह रहे हैं कि खालिस्तान का किसी सिख का सपोर्ट, समर्थन नहीं है, महज कुछ मुट्ठी भर लोग है, विदेश के हैं, इधर के हैं, उधर के हैं और इस तरह से आप हम लोगों को यह उम्मीद देते जा रहे हैं कि आप लोग चिंता मत करिए कुछ होना जाना नहीं है। यह बात सही नहीं है। मैं खुद इससे चिंतित हूं कि सरकार को जो इसमें मुस्तैदी दिखानी चाहिए, वह नहीं दिखा रही है। उसके क्या कारण हैं, मैं उस राजनीति में नहीं जाना चाहता हूं। उससे आपको निपटना होगा।

आपने मकवाणा जी अखबारों में वह खबर भी देखी होगी कि पी० एल० ओ० में 150 पंजाबी भर्ती हुए हैं और एक खबर में कहा गया है कि 145 उसमें से सिख हैं। उसके बाद यह भी आया है कि यह लोग मर्सिनरी नहीं है, यह लोग रेड क्रिसेंट के साथ काम कर रहे हैं, ह्युमेनेटेरियन वालंटियर्स है।

सरकार ने अगर यह नीति बनाई है, तो मुझे नहीं मालूम कि हमारे देश के नागरिक दूसरे किसी देश में कमाण्डो ट्रेनिंग के लिये जाएं, दूसरी फोर्स के मेम्बर बनें, इसके लिये आपने खुली इजाजत दी हुई है, कहां से उनकी भर्ती हुई, हिंदुस्तान से भर्ती हुई, केनेडा से हुई या और जगह से हुई, इस के बारे में आप को हम लोगों को आश्वस्त करना चाहिए। मैं जानता हूं कि सदन में यह परिपाटी नहीं कि मंत्री जी इस पर कुछ शब्द कहें, लेकिन मैं मकवाणा जी से कहूंगा कि आप यहां हैं, आप हमारी चिन्ता को दूर करिए और सदन को आश्वस्त कर सकते हैं तो जरूर करिए।

श्री सुरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, जगजीत सिंह आनन्द साहब से हम सब लोगों का बहुत पुराना ताल्लुक है, तब से जब वह पार्लियामेंट के मेम्बर भी नहीं बने थे उन्होंने किस बहादुरी के साथ हर तहरीक में हिस्सा लिया, सेक्युलरिज्म को मजबूत किया इस बात को सब लोग जानते है। उनके कलम की तारीफ पूरे हिन्दुस्तान में होती रही है। जगजीत सिंह आनन्द को इस किस्म का धमकी भरा खत मिला, यह बहुत अफसोस और चिन्ता की बात है। मैं समझता हूं कि पंजाब की सरकार को और भारत की

सरकार को जरूर इस पर गौर करना चाहिए। मुझ को लगता है कि पंजाब में कानून की हालत ज्यादा अच्छी नहीं है। पहले भी कहा गया है कि जितने कत्ल हुए उनके मुताल्लिक जिन लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, जो साजिश है उसको सामने लाना चाहिए, वह सब करने में कोताही होती रही है। इसलिए जगजीत सिंह आनन्द को खत मिला है तो बड़ी परेशानी होती है। मुझे लगता है कि इस बारे में बहुत जल्द कदम उठाने चाहिएं।

यह कहते हुए मैं यह जरूर अर्ज करूंगा बागाईतकर साहब से कि आज बहुत जगह जब यह कहा जाता है कि पंजाब में खासतौर पर सिख कम्युनिटी में खालिस्तान के लिए कोई सपोर्ट नहीं है तो इस पर उन को न आश्चर्य करना चाहिए, न इस पर अविश्वास करना चाहिए। न सिर्फ पंजाब की हर एक पोलिटिकल पार्टी ने, जिसमें अकाली पार्टी शामिल है, उसका हर ग्रुप शामिल है, बल्कि हिन्दुस्तान के सब लोगों ने खालिस्तान की मजम्मत की है और उसके खिलाफ हैं। इसलिए उनको इस पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह कहते हुए और मित्रों ने जो भावनाएं व्यक्त की हैं उनके साथ मैं भी अपने को एसोशिएट करता हूं।

SHRI V. GOPALSAMY: Sir, we, Members of this august House, know pretty well that Mr. Anand is an active politician, dedicating his work for the cause of the downtrodden. He is a known Parliamentarian, of course. I would like to say here that any such move by this terrorist group has to be condemned. I condemn this sort of politics of violence in no uncertain terms. Unless such moves are nipped in the bud, no politician can feel secure, particularly, those in that Region. Therefore, Sir, I would like to associate myself with the sentiments expressed by other hon. Members.

SHRI AMARPROSAD CHAKRABORTY (West Bengal): Sir, Mr. Anand and myself belong to the same organisation, namely, the University non-teaching staff federation. Sir, I was surprised when I heard this. The question is, where are we going? In the first place, I condemn this sort of attitude, sending a letter threatening him with murder. Secondly, this raises a very vital question, namely, the disintegration of the country. This move will only help the forces of disintegration. I do not know why the Government is sitting silent and tight. I do not know why no action has been taken yet. I would strongly urge the Government to take immediate action. Once they allow such things to go on, the forces of disintegration will be strengthened and they will become successful. That is why, I would suggest that such moves should be nipped in the bud and action should be taken.

श्री नरसिंह नारायण पाण्डेय : श्रीमन्, दल खालसा एक ऐसी संस्था है जो हमारे देश में पृथकतावादी शक्तियों को मजबूत करने की तरफ अग्रसर हो रही है। श्रीमन्, ऐसे समय में जब कि पंजाब में दो-तीन बड़ी हत्याएं हो चुकी हैं और सरकार का ध्यान उस तरफ है, एक ऐसा खत मिलना और वह भी एक बड़े प्रमुख पत्र के एडीटर को—जो पत्र पंजाब और दिल्ली में खास तरीके से पढ़ा जाता है—चिन्ता की बात है और मैं ऐसा मानता हूं कि इस मामले में बड़ी सख्ती करने की जरूरत है? यह संगठन आज पंजाब की राजनीति और देश की राजनीति को ऐसे स्तर पर ले जा रहा है, जिससे पृथकतावादी शक्तियां मजबूत होंगी और देश की एकता कमजोर होगी। केन्द्रीय सरकार को चाहिए कि पंजाब सरकार से बातचीत कर के ऐसी शक्तियों और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करे और ऐसे तत्वों को, जो समाज विरोधी तत्व हैं, जो इस तरह के नारकीय षड़यंत्र करने के लिये अपने को तत्पर कर रहे हैं, आज उनका सफाया किया

[श्री नरसिंह नारायण पाण्डेय]

जा सके ताकि हमारी राजनीति पुनीत हो सके और हमारे देश की एकता मजबूत हो सके। मैं इन शब्दों के साथ जैसा कि पहले ही मैं कह चुका हूं, फिर कहना चाहता हूं कि हमारे माननीय गृह मंत्री जो यहां बैठे हैं, उनको पंजाब सरकार से बात-चीत करनी चाहिए और जो पत्र पढ़ा गया है उसके संदर्भ में उस दल खालसा को जो ऐसी हवा पैदा करना चाहता है इस देश में, उसके प्रति उनको काफी जागरूक रहना चाहिए, इसकी जरूरत है और उसके साथ काफी सख्ती बरतने की जरूरत है।

SHRI PATTIAM RAJAN (Kerala): Sir, I share the feelings expressed by the Members of this House relating to the threatening letter. When we discussed the Khalistan movement in this House, one of the Members from the opposition pointed out about the failure of the law and order in Punjab. Now the people connected with Khalistan movement have started individual assassinations. When they murdered that leader, that freedom fighter Lala Jagat Narain, at that time also it was pointed out that the accused was released by the Government itself. Of course, this is a political matter and I do not want to go into its details, but again they have started threatening other press people.

He is an editor of a well-known Punjabi daily. I would like to request the Government to take it seriously and see that the danger is nipped in the bud.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): I think I would be failing in my duty if I did not share the anxiety felt by all sections of the House about this threat because this threat does not seem to be a threat to an individual, though that individual happens to be a distinguished colleague of ours, who has made invaluable contribution to the proceedings of this House, but as Mr. Satya Pal Malik said, it is a threat to secularism and to national integration. I think it would be in the fitness of things that the Home Minister should respond to the feelings expressed by all sections of the House.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): I understand and appreciate the feelings expressed by all the Members of this House. Sir, Mr. Anand was our esteemed colleague in this House and his contribution to the House has been great. I will request the hon. Member, Mr. Sharma, to pass on the letter to me so that I can write to the Chief Minister of Punjab to provide, if necessary, security to Mr. Anand and also to take necessary action...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): You may also ask the CBI.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: ...to investigate about the writer of the letter so that necessary action can be taken against him.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): The other point that was raised is, restlessness seems to be gripping the minds of those sections of the people who are opposing this movement. Therefore, the Government should give them protection.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: I will convey the feelings of the House to the Chief Minister and ask him to take care of all the feelings which have been expressed in the House. I will also ask him to take necessary action so that nobody's life can be in danger.